

बैचलर ऑफ़ वेटरनरी साइंस (बीवीएससी)

बीवीएससी, या बैचलर ऑफ़ वेटरनरी साइंस, पशुपालन, चिकित्सा और प्रजनन के लिए आवश्यक पशु चिकित्सा विज्ञान में ज्ञान प्रदान करने के उद्देश्य से यह पांच साल का स्नातक कार्यक्रम है। भारत में 47 बीवीएससी कॉलेज पश्चिम बंगाल पशु और मत्स्य विज्ञान सहित हैं विश्वविद्यालय, पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय, भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, सीएसकेएचपीकेवी और अन्य। खुद जो आवेदक खुद को पशु प्रेमी मानते हैं और जानवरों को पालने और प्रजनन में किसी विशेष फर्म के लिए काम करें या उसका मालिक बनें उम्मीदवार बीवीएससी पाठ्यक्रम के लिए सबसे उपयुक्त हैं।

बैचलर ऑफ़ वेटरनरी साइंस (बीवीएससी) - पाठ्यक्रम की मुख्य विशेषताएं

अध्ययन के तुम रहो	कृषि विज्ञान स्नातक
संक्षिप्त नाम	बी.वी.एससी
गाने का प्रकार	पैट कोर्स
रुकना	बैचलर भट्ट था री
भट्ट एम	अविवाहित
विशेष	पशु चिकित्सा विज्ञान
शामिल मैदान	चिकित्सा/चिकित्सा विज्ञान
ऋण की अवधि 5.5 वर्ष है	
अभ्यास	कटत दायमा कुम्
कम चाय पियो	10+2
आयु की आवश्यकता 17 वर्ष है	
पंजीकरण करवाना	उनके साथ प्रवेश करें
मूल शुल्क 10,000 रुपये - 2 एलपीए प्रति वर्ष है	

पाठ्यक्रम का
नाम

कृषि विज्ञान स्नातक

औसत प्रारंभिक
वेतन

INR 5 LPA - INR 8 LPA

वा लाई वा पुपु

पशुचिकित्सक, पशुचिकित्सक, पशुचिकित्सक, प्रोफेसर, शोधकर्ता,
आदि।

बीवीएससी पाठ्यक्रम 5.5 वर्ष की अवधि का है, जिसे 10 सेमेस्टर में विभाजित किया गया है और इसमें भारतीय पशु चिकित्सा परिषद के नवीनतम दिशानिर्देशों के अनुसार एक वर्ष का अनिवार्य प्रशिक्षण शामिल है। बीवीएससी पाठ्यक्रम में पशु शरीर रचना विज्ञान और शरीर विज्ञान से लेकर पशु चिकित्सा और सर्जरी तक सब कुछ शामिल है। प्रमुख बीवीएससी विषयों में पशु पोषण, पशु प्रजनन और आनुवंशिकी और पशु विकृति विज्ञान शामिल हैं। पात्रता मानदंड के अनुसार, किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से अनिवार्य विषयों के रूप में भौतिकी, रसायन विज्ञान, जीवविज्ञान और अंग्रेजी के साथ 12वीं कक्षा पूरी करने वाले उम्मीदवार बीवीएससी प्रवेश के लिए आवेदन करने के पात्र हैं।